दिल से मेरा बाबा मानना – यही हर समस्या का हल है

परमात्मा द्वारा मिले हुए वरदान के आधार पर, दिव्य दृष्टि द्वारा जब हम इस देह की दुनिया से परे सूक्ष्मवतन में पहुँची तो सामने से ब्रह्मा बाबा और शिवबाबा (बापदादा) दोनों ने ही मुस्कराते हुए, नयनों की दृष्टि देते हुए मिलन मनाया और हमसे पूछा कि बच्ची आज क्या समाचार लाई हो? तो मैंने कहा कि बाबा आप तो जानते ही हैं कि ज्ञानसरोवर में आध्यात्मिकता में रुचि रखने वाला और विश्व की सर्व आत्माओं के प्रति एक रहम भावना रखने वाला ग्रुप आया हुआ है। तो बाबा ने मुस्कराते हुए कहा कि बच्ची – मैं देख रहा हूँ कि यह वैरायटी गुलदस्ता आया हुआ है। वैरायटी देश के हैं, वैरायटी भावना वाले हैं, वैरायटी आक्युपेशन वाले हैं और वैरायटी संस्कार या स्वभाव के विशेषता की खुशबू वाले हैं। यह खुशबूदार वैरायटी फूलों का गुलदस्ता है।

उसके बाद बाबा ने कहा कि देखो बच्ची - यह जो भी आत्मायें आयी हैं- इन्हों की भावना बहुत अच्छी है कि विश्व की समस्यायें मिट जायें और हमारा विश्व अच्छा बन जाये। तो बाबा ने कहा कि यह बच्चे पहले कनेक्शन में आये, फिर कनेक्शन के बाद मधुबन में स्प्रीच्युअल फैमिली के रिलेशन में भी आ गये हैं और रिलेशन के बाद फिर रियलाइजेशन कर रहे हैं। तो बाबा ने कहा कि बच्चों ने रियलाइज तो किया है, सुना भी है कि मैं आत्मा हूँ, शिवबाबा हमारा गॉड फादर है। यह बात नॉलेज के आधार से तो समझ लिया है लेकिन सिर्फ नॉलेज के आधार से सहज याद नहीं आ सकती है क्योंकि एक है नॉलेज अर्थात् दिमाग से समझना, दूसरा है दिल से मानना कि – हाँ, मैं आत्मा, परमात्मा का बच्चा हूँ। परमात्मा हमारा पिता है। बाबा ने कहा गॉड फादर तो मानते हैं परन्तु मेरा फ़ादर है, मैं उनका ही बच्चा हूँ इसको थोड़ा और अण्डरलाइन करने की आवश्यकता है क्योंकि जहाँ ''मेरा'' होता है तो याद स्वत: ही आती है। तो बाबा ने कहा कि जब

'मेरा बाबा' यह इन्हों को अण्डरलाइन हो जायेगा और दिल से कहेंगे ''[illegible]'' तो यही विश्व को परिवर्तन करने का सोल्वेशन है क्योंकि परमात्मा से कनेक्शन जुट जाने के बाद, इस वृत्ति से शक्तिशाली वातावरण बनेगा और उस वातावरण का प्रभाव अन्य आत्माओं पर पड़ेगा।

उसके बाद बाबा ने कहा कि बच्चे अपने गॉड फ़ादर के घर में आये हैं, तो बाप बच्चों को गॉडली गिफ्ट देते हैं। वह गिफ़्ट क्या थी? जैसे छोटी-छोटी डिब्बियां होती हैं, ऐसे डिब्बियां थी और उस हरेक डिब्बी में तीन हीरे थे। उन हीरों से बहुत सुन्दर लाइट निकल रही थी। ऐसी लाइट थी जो बहुत अच्छी लग रही थी। तो बाबा ने सबको तीन हीरे देते हुए इसका महत्त्व सुनाया कि एक हीरा है - स्वयं आत्मा, जो बहुत छोटा-सा ज्योति बिन्दु रूप है।

दूसरा हीरा है - परमात्मा, वह भी ज्योतिर्बिन्दु है। और तीसरा हीरा है - 'फुलस्टाप' क्योंकि इस सृष्टि रूपी ड्रामा में सभी आत्मायें एक्टर बनकर एक्ट कर रही हैं। तो जो भी ड्रामा में एक्ट बीत जाता है उसका चिन्तन नहीं करना है। फुलस्टॉप लगाना है। तो बाबा ने कहा कि जो बात बीत गयी उसमें क्वेश्चन मार्क नहीं करना, आश्चर्य की मात्रा नहीं देना, उससे शिक्षा लेकर फुलस्टॉप लगाना क्योंकि क्वेश्चन मार्क और आश्चर्य की निशानी जो है उसमें क्यों, क्या, कैसे हुआ, कैसे होगा... यह सब वेस्ट थॉटस् चलते हैं। इसीलिए यह तीसरा हीरा है – 'फुलस्टॉप।' तो बाबा ने कहा – यह तीन बिन्दियां हीरे के रूप में इन बच्चों को गॉडली गिफ़्ट दे रहे हैं। यह गिफ्ट सदा बुद्धि में याद रखना। कोई भी बात हो जाये - इन तीन हीरों को याद करेंगे तो आपको सोल्वेशन मिल जायेगी और गॉड फ़ादर की मदद भी मिलेगी इसीलिए इन तीनों हीरों को बुद्धि में बहुत-बहुत सम्भालके रखना, याद रखना। ऐसे कहते बाबा ने सभी को याद दी। अच्छा – ओमशान्ति।

O O O